भारतीय गैर न्यायिक

INDIA NON JUDICIAL

25000 रुपये

पच्चीस हजार रुपये

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 250297

विक्रय विलेख

प्रतिफल की धनराशि	-	रू0 8,71,416/
मालियत मूल्य	-	रू0 6,86,000/-
अदा किये गये स्टाम्प शुल्क	-	रू0 87,200/-

1. भूमि का प्रकार - कृषि
2. परगना - लखनऊ
3. ग्राम - आलमनगर
4. सम्पत्ति का विवरण - भूमि खसरा संख्या 747 रकबा 0.390 हैक्टेयर स्थित ग्राम- आलमनगर, परगना लखनऊ, तहसील व जिला लखनऊ।

25000

INDIA NON JUDICIAL

25000

पच्चीस हजार रुपये

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 250296

-2-

5.	मापन की इकाई	-	हेक्टेयर
6.	सम्पत्ति का क्षेत्रफल	-	0.392 हेक्टेयर
7.	सड़क की स्थिति	-	सुल्तानपुर रोड व व्यावसायिक पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक
8.	सम्पत्ति का प्रकार	-	कृषि
9.	पेड़ों की स्थिति	-	नहीं
10	बोरिंग/ कुआं आदि	-	कुछ भी नहीं है।

<u>चौहद्दी खसरा नं0 247</u>

उत्तर	: खसरा नं0 246
दक्षिण	: खसरा नं0-734, 785
पूरब	: खसरा नं0-248
पश्चिम	: खसरा नं0-793, 792

25000
INDIA NON JUDICIAL
25000
पच्चीस हजार रुपये

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

प्रथम पक्ष की संख्या- 1	:	द्वितीय पक्ष की संख्या- 1
विक्रेता का विवरण	:	क्रेता का विवरण
महदेई पत्नी स्व0 गुल्दीन निवासी ग्राम अहमामऊ परगना तहसील जिला लखनऊ।	:	सूरजदीन पुत्र शुकल निवासी ग्राम मिर्जापुर सिटौरी पो0 नौगाँव, तहसील व जिला फतेहपुर।
व्यवसाय- कृषि		व्यवसाय- कृषि

यह विक्रय विलेख महदेई पत्नी स्व0 गुल्दीन निवासी ग्राम अहमामऊ परगना तहसील जिला लखनऊ द्वारा किया गया है एवम् सूरजदीन पुत्र शुकल

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

दस हजार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

064A 414797

निवासी ग्राम मिर्जापुर गिलारी पो० नौगाँव, तहसील व जिला फतेहपुर जिन्हें आगे क्रेता कहा गया है के पक्ष निष्पादित किया गया।

यह कि विक्रेता भूमि खसरा संख्या 247 रकबा 0.392 है0 स्थित ग्राम अहमामऊ, परगना लखनऊ, तहसील व जिला लखनऊ का मालिक, काबिज व दाखिल है तथा उपरोक्त सम्पत्ति सत्यापित खतौनी खाता संख्या 00246 के अनुसार भूमि विक्रेता के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज है और विक्रेता के नाम का अन्तिम इन्द्राज राजस्व अभिलेखों में हो गया है। विक्रेता अपना सम्पूर्ण हिस्सा क्रेता को इस विक्रय विलेख द्वारा विक्रय कर रहा है विक्रेता उपरोक्त

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 588594

A.T.O.(T) TR.LKO

सम्पूर्ण भूमि के मालिक, काबिज व दाखिल हैं एवं [illegible] उक्त भूमि कृषि भूमि है और उक्त भूमि सरप्लस भूमि में लिखा नहीं है। यह कि विक्रेता यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं पाक व साफ है तथा विक्रेता ने जो इस विक्रय से पूर्व कभी बय, हिबा, गिरवी या अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है। विक्रेता ने उक्त भूमि पर कृषि ऋण या अन्य प्रकार का कोई ऋण नहीं लिया है। यदि कोई ऐसा ऋण भविष्य में निकलता है तो उसके जिम्मेदार विक्रेता व उनके वारिसान व विक्रय उत्तराधिकारी होंगे। उपरोक्त भूमि, या उसका कोई भाग किसी न्यायालय व

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 585593

सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विचार या वसूल नियत नहीं है, न ही पूर्व उत्पादित है। विक्रेता के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक व भाग इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेता को उक्त विक्रय अन्तरण करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सम्पत्ति के अन्तरणार्थ कुल विक्रय मूल्य रूपये 8,71,416/- के प्रतिफल में नियत उपरोक्त क्रेता द्वारा विक्रेता को इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित रीति के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेता यहाँ स्वीकार करती है, तदनुसार उक्त विक्रेता उक्त क्रेता को अब उपरोक्त वर्णित भूमि, जिसका विवरण इस

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 366677

विक्रय विलेख के अन्त में अनुसूची में उल्लेखित किया गया है, को [illegible] दे दिया है, एवं विक्रेता ने विक्रयशुदा भूमि का मौके पर कब्जा क्रेता को मुकम्मल करा दिया गया है। अब उक्त आराजी पर विक्रेता तथा उसके वारिसान का कोई अधिकार नहीं है। विक्रेता ने विक्रयशुदा सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमेशा के लिए क्रेता को स्थानान्तरित कर दिया है। अब क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के रूप में धारण एवं उपभोग व उपयोग करेंगे। विक्रेता व उसके वारिसान उसमें किसी प्रकार की अड़चन

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 366676

24 NOV 2004

A.T.O.(E).
TRY.LKO.

बाधा नहीं डाला जावेगी एवं न ही कोई मांग कर सकेगी अगर उपरोक्त विक्रयशुदा सम्पत्ति अथवा कोई भाग विक्रेता के स्वामित्व में त्रुटि के कारण या कानूनी अड़चन या कानूनी त्रुटि के कारण क्रेता या उसके वारिसान निष्पादकगण इत्यादि के कब्जे या अधिकार या दखल से निकल जावे तो क्रेता उसके वारिसान, निष्पादकगण इत्यादि को यह हक होगा कि वह अपना समस्त नुकसान मय हर्जा व खर्चा, विक्रेता की जात, अन्य सम्पत्ति से जरिये अदालत वसूल कर लें। उस स्थिति में विक्रेता एवं उसके वारिसान हर्जा व खर्चा देने हेतु बाध्य होगा।

यह कि विक्रेता यह भी घोषित करता है कि उक्त भूमि लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ तथा उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, लखनऊ तथा अन्य किसी भी सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्था द्वारा अधिग्रहित नहीं की गयी है और न ही प्रस्तावित है।

यह कि क्रेता विक्रयशुदा सम्पत्ति की दाखिल खारिज राजस्व अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा ले तो विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलेख के पूर्व का अगर कोई बकाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विक्रेता भुगतान व वहन करेंगे, क्रेता को कोई आपत्ति न होगी ।

यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर ग्राम अहमामऊ अर्धनगरीय क्षेत्र के अतिविशिष्ट भाग के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सर्किल रेट रू0 17,50,000/- प्रति हेक्टेअर के हिसाब से विक्रीत भूमि 0.392 हेक्टेअर की कुल मालियत 6,86,000/- होती है तथा विक्रय मूल्य, भूमि की मालियत मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर ही रू0 87,200/- नानजुडिशियल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि कृषि के उपयोग के लिए क्रय की जा रही है। भूमि में कोई पेड़ इमारत आदि नहीं है तथा किसी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियां नहीं चल रही है न कोई ट्यूबवेल, कुआं भी नहीं है, तथा 200 मीटर के आसपास में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि सुल्तानपुर रोड से व अमर शहीद पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेता एवं क्रेता दोनों अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विक्रय विलेख के निष्पादन का समस्त व्यय क्रेता द्वारा वहन किया गया है।

विक्रय पत्र

871,415.82 886,000.00 3,000.00 20 3,020.00 1,000

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] योग [illegible]

श्री / श्रीमती सुरेन्द्र

पुत्र / पत्नी श्री [illegible]

पेशा नौकरी

निवासी स्थायी [illegible] जिला [illegible]

अस्थायी पता

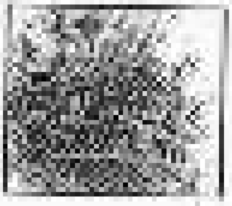

ने यह लेखपत्र इस कार्यालय में दिनांक 29/11/2005 समय 4:17PM

बजे निबंधन हेतु पेश किया।

ओ.पी. सिंह
उप निबंधक (द्वितीय)
लखनऊ
29/11/2005

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमून व प्राप्त धनराशि रु. प्रलेखानुसार उक्त

विक्रेता

श्री/श्रीमती सुरेन्द्र

पुत्र/पत्नी श्री [illegible]

पेशा नौकरी

निवासी [illegible]

जि. लखनऊ

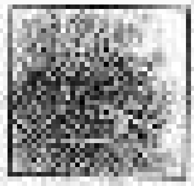

क्रेता

श्री/श्रीमती [illegible]

पुत्र/पत्नी श्री [illegible]

पेशा कृषि

निवासी [illegible]

[illegible]

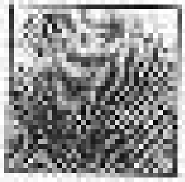

ने निष्पादन स्वीकार किया।

जिनकी पहचान श्री सुनील कुमार सिंह

पुत्र श्री पी.बी. सिंह

पेशा वकालत

निवासी 288 [illegible] लखनऊ

व श्री [illegible]

पुत्र श्री [illegible]

पेशा [illegible]

निवासी [illegible] लखनऊ

ने की।

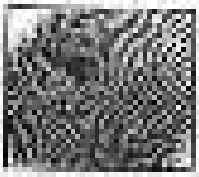

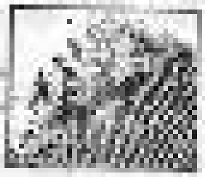

प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिये गये हैं।

ओ.पी. सिंह
उप निबंधक (द्वितीय)
लखनऊ
29/11/2005

लिहाजा यह विक्रय पत्र विक्रेता ने क्रेता के पक्ष में लिख दिया ताकि सनद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आवे ।

<u>परिशिष्ट: भुगतान विवरण</u>

1. विक्रेता को रू0 5,00,000/- द्वारा चैक संख्या- 138040 दिनांकित 29.11.2006 पंजाब नेशनल बैंक, हजरतगंज लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

2. विक्रेता को रू0 3,71,416/- द्वारा चैक संख्या- 138041 दिनांकित 29.11.2006 पंजाब नेशनल बैंक, हजरतगंज लखनऊ क्रेता से प्राप्त हुए।

इस प्रकार विक्रेता को कुल विक्रय मूल्य 8,71,416/- (रुपया आठ लाख इकहत्तर हजार चार सौ सोलह मात्र) क्रेता से प्राप्त हुए जिसकी प्राप्ति विक्रेता स्वीकार करती है।

लखनऊ:

दिनांक : 29.11.2006

<u>गवाह</u> :

1. Sunil Kumar Sinha
S/o Sri G.C. Sinha

2.

विक्रेता

प्रारूपकर्ता

(नीनू कुमार)

सिविल कोर्ट लखनऊ

प्रतिलेखकर्ता

(विक्रम रतन सिंह)

एडवोकेट

विक्रेता

Registration No : 11034 Year : 2006 Book No. 1

0101 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ग्राम [illegible]

खसरा सं०
रकबा
757 [illegible] मीटर

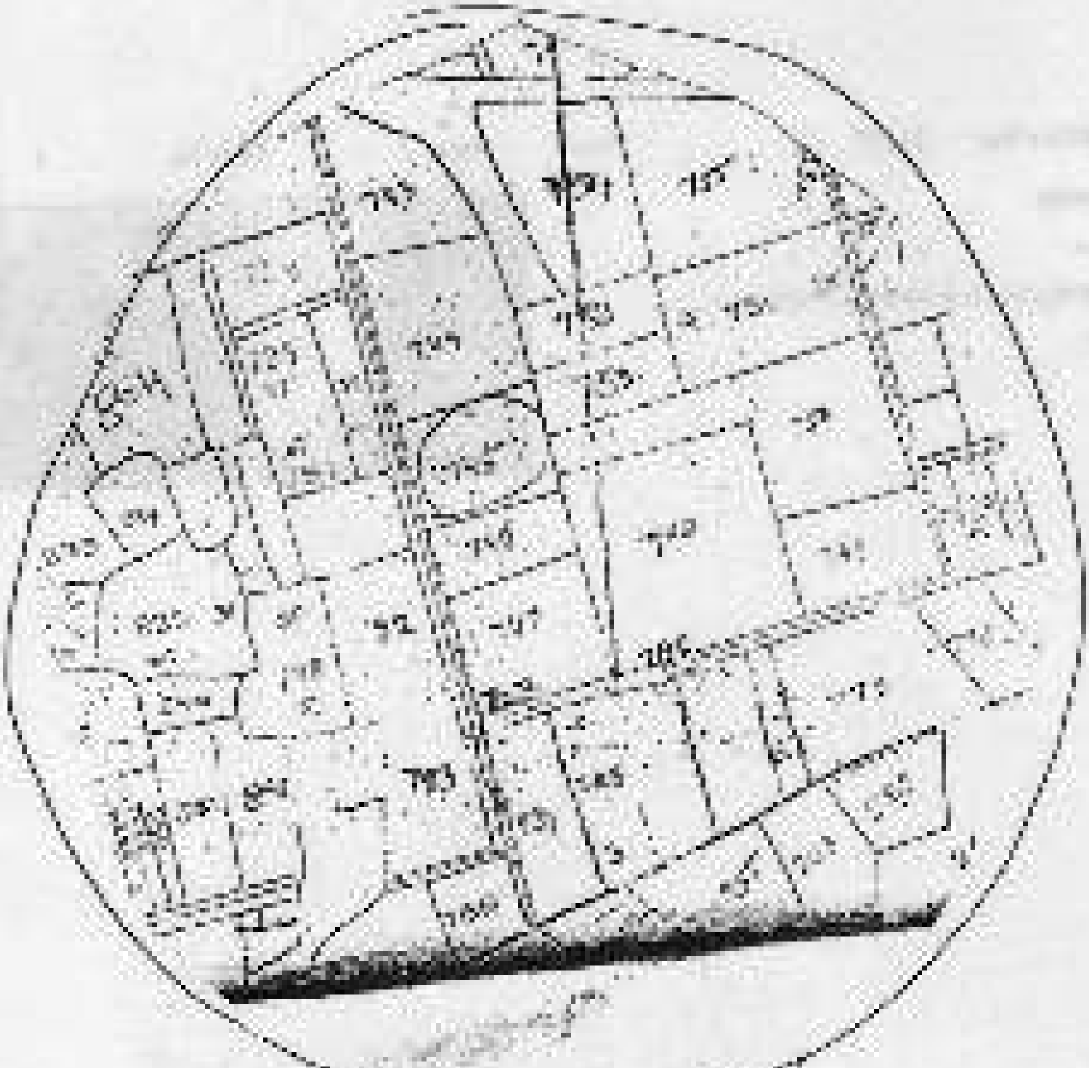

[illegible] [illegible]

विक्रेता

क्रेता

[illegible]

Registration No. 11074 Year : 2006 Book No. 1

0201 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

रजिस्ट्रेशन अधि0 1908 की धारा - 32 ए0 के अनुपालन हेतु,

फिंगर्स प्रिन्टर्स

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता :-

बांये हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

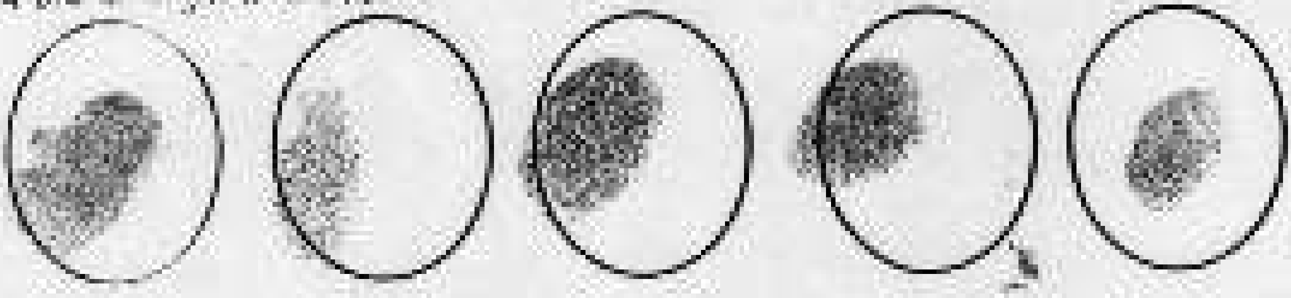

दाहिने हाथ की अंगुलियों के चिन्ह :-

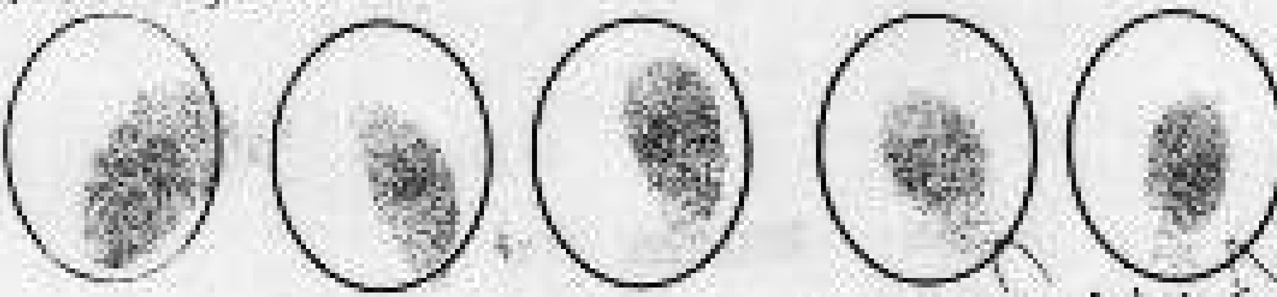

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

विक्रेता/क्रेता का नाम व पता :-

बांये हाथ की की अंगुलियों के चिन्ह :-

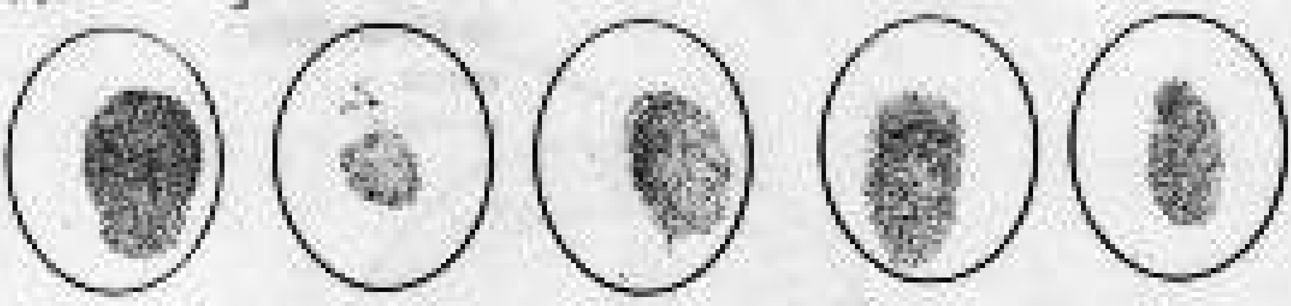

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

आज दिनांक **29/11/2006** को

बही सं **1** जिल्द सं **6214**

पृष्ठ सं **277** से **300** पर क्रमांक **11074**

रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

ओ.पी.सिंह
उप निबन्धक (द्वितीय)
लखनऊ
29/11/2006